जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 178 प्रभात उदयपुर, सोमवार 1 मई, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पुराविदों ने प्राचीन मिस्र के एस्ना मंदिर की छत पर, 2000 साल से मिट्टी व कालिख के नीचे छुपी, अनेक पेंटिंग्स को रिस्टोर (जीर्णोद्धार) किया है, जिनमें राशिमण्डल की बारह राशियों को दर्शाया गया है। गंदगी से ढकी होने के कारण पेंटिंग्स के रंग संरक्षित हैं व जीवंत नज़र आते हैं। टॉलमी काल (305 से 30 ईसा पूर्व) की इन कलाकृतियों से उन सबूतों में इज़ाफा होता है, जिनके अनुसार मिस्र में यूनानी लोग ज़ोडिएक परम्परा को लाए थे। जर्मनी की युनिवर्सिटी ऑफ टूबिंगैन के मिस्र विशेषज्ञ, क्रिस्टियान लेट्ज़ ने कहा कि "मिस्र के मंदिरों में राशि चिन्ह मिलना बेहद दुर्लभ है। ज़ोडिएक (राशिमण्डल) बैबीलोनिया के खगोल शास्त्र का अंग है और टॉलमी काल से पहले तक मिस्र में इसका कोई प्रमाण नहीं मिलता है। टॉलमी काल के बर्तनों व ताबूतों पर ज़ोडिएक साईन व उनसे सम्बंधित तारामंडल की तस्वीरें मिलती हैं। लेकिन मंदिर की सजावट में ये मोटिफ मिलना दुर्लभ है। एक अन्य मिस्र विशेषज्ञ, डैनियल वॉन रैकलिंगहाओसन ने कहा कि, एस्ना के अलावा इसके केवल दो अन्य संरक्षित संस्करण ही उपलब्ध हैं। ये दोनों नील नदी के पश्चिमी किनारे पर स्थित डैन्डेरा मंदिर टैम्पल कॉम्पलैक्स में हैं। लेट्ज़ ने कहा कि, "एस्ना के ज़ोडिएक साइन बिल्कुल वैसे ही हैं जैसे आजकल देखे जाते हैं। कुछ एक चित्रणों के अलावा कोई भी अंतर नहीं है।" बारह राशि चिन्हों के अलावा एस्ना में बृहस्पति, शनि और मंगल तथा सैंखमैत के "सैवन एरोज़" तथा नक्षत्रों का चित्रण है, जिनका उपयोग प्राचीन मिस्र के लोग समय का पता लगाने के लिए करते थे। इसके अलावा, हाल ही में रिस्टोर की गई एस्ना की कुछ अन्य कलाकृतियों में सांप, मगरमच्छ और काल्पनिक जीव, जैसे मगरमच्छ के सिर वाली चिड़िया आदि चित्रित हैं। संरक्षण का कार्यक्रम 2018 में शुरु हुआ था। एस्ना मंदिर लक्सर से 40 मील दूर दक्षिण में है। ये ज़ोडिएक साइन्स, एस्ना में मिलने वाली पहली खगोलीय खोज नहीं हैं। इससे पहले वर्ष 2020 में यहां ऐसे अभिलेख मिले थे जिनमें कई तारामंडलों के प्राचीन मिस्र नाम लिखे हुए थे। इतिहासकारों को नहीं पता कि ज़ोडिएक साइन्स का या ज्योतिष का वास्तविक उद्गम क्या है, लेकिन खगोल विज्ञान से संबंधित एक बेहद प्राचीन कलाकृति, "वीनस टैबलेट ऑफ एमिसडूका" निओ असीरियन काल (911-612 ईसा पूर्व) की है। इस कलाकृति में वीनस (शुक्र ग्रह) की गति को ट्रैक किया गया है। यह कलाकृति, "बैबिलोनिअन प्लैनेटरी ओमन्स" की सबसे प्रारंभिक कलाकृतियों में से एक है।

बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों के विरोध प्रदर्शन में "कांग्रेस एंगल" सामने रखा

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, सभी विरोध करने वाले पहलवान महादेव अखाड़े से आते हैं तथा कांग्रेस नेता दीपेन्द्र सिंह हुड्डा इसके अध्यक्ष हैं

- **पहलवानों के प्रदर्शन में अखिलेश यादव के शामिल नहीं होने पर बृजभूषण सिंह ने कहा, मैं और अखिलेश यादव बचपन के साथी हैं, अखिलेश यादव इस मामले की पूरी सच्चाई जानते हैं।**
- **बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, एक परिवार पूरे कुश्ती संघ पर अपना एकछत्र अधिकार जमाने के लिए यह साजिश रच रहा है।**
- **बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, ने कहा, इस तरह से अपराधी बनकर वे कभी इस्तीफा नहीं देंगे, बल्कि कोर्ट की सुनवाई और जांच एजेंसियों की जांच का सामना करेंगे।**

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों का बड़े सख्त अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने रविवार "एक परिवार" और "एक अखाड़े" के खिलाफ अपने आरोपों को स्पष्ट करते हुए दावा किया कि, महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न की "फर्जी" शिकायतों से उनकी छवि खराब हो रही है।

उन्होंने कहा कि, 90 फीसदी एथलीट और उनके अभिभावक कुश्ती महासंघ पर भरोसा करते हैं उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं ने उनके खिलाफ शिकायत की है, वे सभी एक ही परिवार और एक ही अखाड़े से हैं।

उन्होंने बताया, "पूरी दुनिया जानती है कि ये सभी महिलाएं महादेव कुश्ती अकादमी से हैं और (कांग्रेस नेता) दीपेंद्र सिंह हुड्डा उस अखाड़े के संरक्षक हैं।" उन्होंने किसी विशेष घटना का उल्लेख किए बिना दावा किया कि, प्रदर्शनकारियों ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है। इसे लेकर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि प्रदर्शनकारी भी भारतीय रेलवे के कर्मचारी हैं।

उन्होंने कहा, "जंतर-मंतर से आपको न्याय नही मिलता। अगर आपको न्याय चाहिए तो आपको पुलिस और अदालत जाना होगा। उन्होंने अब तक ऐसा कभी नही किया है, वे सिर्फ गाली देते रहे। अदालत जो भी फैसला करेगी हम उसे स्वीकार करेंगे।"

बृजभूषण सिंह से जब पूछा गया कि, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश में विपक्ष के नेता अखिलेश यादव दिल्ली के जंतर -मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के पास क्यों नही गए, जबकि विपक्ष के कई नेता ऐसा कर रहे हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि, अखिलेश यादव सच्चाई जानते हैं।

उन्होंने कहा, "अखिलेश यादव सच्चाई जानते हैं। हम बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। उत्तर प्रदेश के 80 फीसदी पहलवान समाजवादी पार्टी की विचारधारा वाले परिवारों से हैं। वे मुझे नेताजी कहते हैं, वे कहते हैं कि उनके नेताजी कैसे हैं।"

गौरतलब है कि, कांग्रेस की प्रियंका गांधी और आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल सहित शीर्ष विपक्षी नेता एकजुटता व्यक्त करने के लिए जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों से मुलाकात कर चुके हैं।

इसके साथ ही बृजभूषशण शरण सिंह ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया को भी जवाब दिया है। जैसा कि विदित है कि, बजरंग पूनिया ने शनिवार को पूछा था कि, आरोपी शिकायतकर्ताओं की पहचान कैसे जानते हैं और यह दावा करते हैं कि वे सभी एक ही परिवार से हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नही, पूरी दुनिया जानती है।

प्रदर्शनकारी पहलवानों ने सरकार की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि, एक नाबालिग शिकायतकर्ता का नाम और जांच का विवरण लीक हो गया है।

इससे पहले, बृजभूषण सिंह ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लापता लड़के की पिछले छः माह की गतिविधियों की जानकारी दें मैटा और गूगल : हाईकोर्ट

- **हाईकोर्ट ने 18 मार्च से लापता हुए लड़के की उसके फोलोअर्स और फोलोविंग करने वालों के फोन नम्बर की सूचना और ई-मेल आईडी जांच एजेंसियों को मुहैया कराने के आदेश दिये**
- **मैटा और गूगल की ओर से कहा गया था कि, यह जानकारी देना निजता के अधिकार के कानून का उल्लंघन करता है, परंतु इस मामले में अदालती आदेशों की पालना करते हुए वे जांच एजेंसियों की मदद करेंगे।**

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 30 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट ने 14-15 साल के लापता लड़के से जुड़ी "हेबीयस कॉरपस पिटीशन" पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया कि, फेसबुक की "पेरेन्ट कंपनी" मेटा और गूगल लापता लड़के की सोशल मीडिया तथा फोन उपयोग से जुड़ी पिछले छह माह की जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराये ताकि बालक को ढूढ़ने और अदालत के समक्ष पेश करने में उनको सहायता मिल सके।

यह पहली बार है कि, अदालत ने जांच एजेंसियों को लापता व्यक्ति की खोज में सहायता के लिये सोशल मीडिया और मोबाइल पर "डिजीटल फुटप्रिंट" की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिये हैं।

उक्त मामले में याचिकाकर्ता भगवंत सिंह द्वारा दायर की गई थी और उनकी ओर से अधिवक्ता महेन्द्र शांडिल्य और राजीव कुमार सोगरवाल भी अदालत में पेश हुए थे। वहीं "यूनिक आईडेंटिफिकेश अथॉरिटी ऑफ इंडिया" (यू.आई.डी.ए.आई.) की ओर से अधिवक्ता आनंद शर्मा पेश हुए थे।

गूगल की ओर से अधिवक्ता शाश्वत पुरोहित पेश हुए थे, वहीं मैटा की ओर से सीनीयर अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा और उनके सहायक अधिवक्ता विनय कोठारी, मेहुल कोठारी और अन्य सहायक अधिवक्ता भी पेश हुए थे।

इस मामले में उक्त बालक 18 मार्च को सुबह 11 बजे सिंधी कैम्प पर आखिरी बार देखा गया और उसके बाद से लापता है। इस मामले में जांच सीबीसीआईडी को पहले ही सौंपी जा चुकी है।

मामले को जानने वाले वकील ने कहा कि, लापता होने के एक माह बाद ही जांच एजेंसी और पुलिस के समक्ष बालक के ठिकाने के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। इसलिये वह बालक के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया की छानबीन कर सूत्रों का पता लगाना चाहती है।

सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि गूगल, इंस्टाग्राम और व्हाट्सअप से संबंधित जानकारी जांच एजेंसियों को मुहैया कराई जा चुकी है। मामले से जुड़े एक अधिवक्ता ने बताया कि, उक्त लड़के का आधार अपडेटेड नहीं था। इसलिये उसके द्वारा कोई अन्य फोन खरीदा गया हो इसकी जानकारी गूगल को नहीं मिल पाई।

वहीं मेटा की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत को बताया कि, फेसबुक और इंस्टाग्राम से जुड़ी पुरानी जानकारी देना निजता के कानूनों के क्षेत्र पर हस्तक्षेप करती है। जिस पर अदालत ने अनुरोध किया कि, इस मामले में जांच एजेंसियों को छानबीन करने के लिये यह जानकारी अनिवार्य है। जिस पर मेटा की ओर से कहा गया कि, वो बालक के अकांउट की पिछले छह माह की जानकारी पुलिस को उपलब्ध करा देंगे।

मेटा की ओर से कहा गया कि, वह बालक के अकांउट जिसका नाम ऐश्वर्य सिंह है, पिछले छह माह से उसके फोलोअर्स और फोलोविंग करने वालों के फोन नम्बर की सूचना और ई-मेल आईडी जांच एजेंसियों को मुहैया करा देंगे। गूगल की ओर से भी कहा गया कि, वह बादल के अकांउट से जुड़ी पिछले छह माह की सारी जानकारी पुलिस को मुहैया करा देंगें।

न्यायाधीश पंकज भंडारी और न्यायाधीश भुवन गोयल ने जांच अधिकारियों को अपनी खोजबीन और तेजी से करने को कहा और कहा कि, अगली तारीख को उक्त बालक को अदालत के समक्ष पेश करें। अब इस मामले की अगली सुनवाई 16 मई को तय की गई है।

कर्नाटक में प्र.मंत्री मोदी का रोड शो

मैसुरु, 30 अप्रेल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दूसरे दिन रविवार को मैसूरु शहर में वोक्कालिगा क्षेत्र में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इससे पहले मोदी ने शनिवार को बैंगलुरु शहर में रोड शो किया था।

भाजपा ने इस रोड शो के जरिये मैसूर-मांड्या-चामराजनगर क्षेत्र में

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दूसरे दिन रविवार को मैसुरु शहर में वोक्कालिगा क्षेत्र में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इससे पहले मोदी ने शनिवार को बैंगलुरु शहर में रोड शो किया था।**

पार्टी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का प्रयास किया। यहां से पार्टी ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 22 में से चार सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य की चुनावी राजनीति में पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए भाजपा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लुधियाना में फैक्टरी में गैस लीक होने से 11 लोगों की मौत

लगभग एक दर्जन अन्य लोग इस हादसे के कारण फैक्टरी में बेहोश पाये गये, मृतकों में पांच लोग एक ही परिवार से हैं

- **मृतकों में तीन छोटे बच्चे भी शामिल हैं।**
- **फैक्टरी में डेयरी प्रोडक्ट की प्रोसैसिंग का काम होता था। अंदेशा है कि, डेयरी प्रोसैसिंग में काम आने वाली गैस के लीक होने के कारण यह दुर्घटना हुई है।**
- **इस घटना का असर आसपास के करीब 300 मीटर के एरिये में देखा गया। 300 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को गैस रिसाव के कारण सांस लेने में दिक्कत महसूस हुई।**

लुधियाना, 30 अप्रेल। पंजाब के लुधियाना में रविवार सुबह गैस लीक होने से अफरा-तफरी मच गई। एक मिल्क फैक्टरी से गैस लीक हुई, जिसके कारण कई लोग बेहोश हो गए। 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि अस्पताल में भर्ती कराए गए कुछ लोगों की हालत खराब है।

मृतकों में एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। जहरीली गैस के कारण आरती क्लीनिक के डॉ. कविलाश कुमार यादव के साथ ही उनकी पत्नी वर्षा देवी, 13 वर्षीय पुत्र अभियान नारायण, 8 वर्षीय पुत्र आर्यन यादव व 20 वर्षीय पुत्री कल्पना की मौत हो गई। इनके शव जिला सरकारी अस्पताल में रखे गये हैं।

मरने वालों में अधिकतर बिहार मूल के निवासी हैं। कविलाश (37), पत्नी वर्षा, (35), बेटी कल्पना (16) अभय (13) और आर्यन (10)। (सभी मूल रूप से बिहार के जिला गया, गांव भीमपुर मंजियावा, थाना कोंच के निवासी हैं। पिछले 30 सालों से ग्यासपुरा लुधियाना में रह रहे थे। इसके अलावा सौरव गोयल (35), पत्नी प्रीति (31), मां कमलेश गोयल (60)। (सभी निवासी ग्यासपुरा) नवनीत (39), पत्नी नीतू देवी (37) (मूल निवासी गांव शीतल बकुरहर, पुलिस स्टेशन सराय, वैशाली, बिहार) एक अज्ञात महिला (उम्र लगभग 25 साल) की भी मौत हो गई। इस गैस लीक काण्ड की खबर लगते ही पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटनाक्रम लुधियाना के गयासपुर इलाके का है। घटनास्थल पर एक दर्जन से ज्यादा लोग बेहोश पाये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मेरे परिवार को जितनी गालियां दी गई हैं उन पर किताबें लिखी जा सकती है'

प्रियंका गांधी ने प्र.मंत्री मोदी को भी सार्वजनिक रूप से गांधी परिवार को गालियां नहीं देने की नसीहत दी

- **प्रियंका वाड्रा ने कहा कि, अन्य नेताओं को प्र.मंत्री मोदी को गाली देने की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सीख लेनी चाहिए जो कहते हैं कि, वे देश के लिए गाली खाने को ही नहीं बल्कि गोली खाने को भी तैयार हैं।**
- **उन्होंने कहा, मैंने पहला ऐसा प्रधानमंत्री देखा है जिनको आपके दुख से कोई मतलब नहीं है, आपके सामने आकर अपना रोना रोते हैं। उनके दफ्तर ने एक लिस्ट बनायी है। नहीं, आपकी समस्याओं की नहीं, बल्कि तथाकथित गालियों की एक लिस्ट बनी हुई है।**

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गालियां न देने की नसीहत देते हुए कहा है कि सार्वजनिक जीवन में सबकी सुनते हुए आगे बढ़ना पड़ता है इसलिए मोदी को किसी के लिए गाली-गलोच और अपशब्दों का इस्तेमाल नही करना चाहिए।

प्रियंका वाड्रा ने कहा कि, मोदी को गाली देने की बजाय कांग्रेस नेता राहुल गांधी से सीख लेनी चाहिए जो कहते हैं कि वह देश के लिए गाली खाने को ही नही बल्कि गोली खाने को भी तैयार हैं।

उन्होंने कहा,मैंने पहला ऐसा प्रधानमंत्री देखा है जिनको आपके दुख से कोई मतलब नही है, आपके सामने आकर अपना रोना रोते हैं। उनके दफ़्तर ने एक लिस्ट बनायी है। नही, आपकी समस्याओं की नही बल्कि तथाकथित गालीयों की एक लिस्ट बनायी है।

कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा,अरे उनकी लिस्ट तो एक पन्ने में फिट आ गई अगर मेरे परिवार को इन लोगों ने क्या क्या अपशब्द कहें हैं बताने पर आ जाऊँ तो किताबों पर किताबें छपवानी पड़ जायेंगी। हिम्मत कीजिए मोदी जी, मेरे भाई से सीखिए. मेरा भाई कहता है गाली ही नही मैं इस देश के लिए गोली खाने को भी तैयार हूँ। सार्वजनिक जीवन में बातें सुननी पड़ती हैं और आगे बढ़ना पड़ता है मोदी जी।

प्रियंका गांधी ने कहा, कम से कम वो (91 गालियां) एक पन्ने पर तो आ सकती है, अगर आप उनके द्वारा मेरे परिवार को दी गई गालियों को देखें और अगर हम एक सूची बनाना शुरू करें, तो हम इसके बारे में किताबें प्रकाशित करेंगे ... मेरा भाई कहता है कि वह सच के लिए खड़ा होगा, चाहे गाली दो, गोली मारो या चाकू से वार करो।

उन्होंने कहा, साहस होना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। अब जब मैं आपसे बात कर रही हूं, तो मैं आपको बता दूं, अगर आप एक और चीज सीखते हैं तो यह अच्छा होगा: लोगों की आवाज सुनें।

प्रियंक गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान पर प्रतिक्रिया दे रही थीं कि, कांग्रेस पार्टी ने पहले भी 91 बार उन्हें तरह-तरह की गालियां दी हैं। श्री मोदी ने अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'जहरीले सांप' वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने इशारा किया कि पीएमओ के एक व्यक्ति ने पीएम मोदी को गालियां देने की एक सूची तैयार की है, लेकिन कर्नाटक के लोगों की समस्याओं पर नहीं।

गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, कांग्रेस नेताओं ने उन्हें अब तक 91 गांलियां दी हैं। गौरतलब है कि, प्र.मंत्री मोदी ने खुद को दी गईं गालियों की लिस्ट बताते हुये संभवत: एक प्रकार से महाभारत के शिशुपाल वध की कथा याद दिलाने का प्रयास किया था।

गौरतलब है कि, महाभारत में शिशुपाल वध एक प्रसिद्ध प्रसंग है। भगवान श्रीकृष्ण अपने वचन से बंधे हुये थे कि वे शिशुपाल की 100 गालियां बर्दाश्त करेंगे। इस प्रकरण में शिशुपाल द्वारा जैसे ही 100 गालियां पूरी हुईं भगवान श्रीकृष्ण ने तुरंत अपने सुदर्शन चक्र को शिशुपाल का मस्तक धड़ से अलग करने का आदेश दिया था।

कश्मीर में कार खाई में गिरी, 3 की मौत

जम्मू 30 अप्रैल (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक कार के दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गयी है।

पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार शाम को एक कार के 300 फीट गहरी खाई में गिरने की सूचना मिली थी। कार रियासी से देवीगढ़ जा रही थी। कार में सवार तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मृतकों की पहचान टोटे निवासी मोहन चंद (32) नसीब सिंह (65) और करनाल सिंह (47) के रुप में हुई।

- **कश्मीर के रियासी इलाके में एक कार अनियंत्रित होकर 300 फीट गहरी खाई में गिर गई।**

उत्तराखण्ड हाई कोर्ट दूसरे शहर में शिफ्ट होगा

नैनीताल 30 अप्रैल (वार्ता)। सरोवर नगरी नैनीताल स्थित उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के स्थानांतरण का रास्ता एकदम साफ हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को इसके स्पष्ट संकेत दिये और कहा कि उच्च न्यायालय के स्थानांतरण के लिये केन्द्र सरकार से धन (फंड) की व्यवस्था भी हो गयी है।

धामी रविवार को प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपीसोड में भाग लेने के लिये सरोवर नगरी पधारे थे।

- **मु.मंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, केन्द्र सरकार ने इसके लिए फंड स्वीकृत कर दिया है, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि, नैनीताल से हटने के बाद नया हाई कोर्ट कौनसे शहर में बनेगा।**